हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 14 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भीमडोंगरी में सामाजिक पेंशन योजना का शिविर का आयोजन

भुआबिछिया। विगत दिनों मवई जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत भीमडोंगरी में सामाजिक पेंशन योजना का शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों पात्र हितग्राहियों निराकरण मौके पर किया गया। कार्यक्रम मुख्य रूप से अनंत सिंह राठौर जनपद सदस्य, अक्षय परते, ओमप्रकाश मरावी सरपंच , करन सिंह मरावी सरपंच , हनुमान जाट, इंद्र लाल परते, एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शिविर अनंत सिंह राठौर जनपद सदस्य के आग्रह पर एवम् मुख्य कार्यपालन अधिकारी के निर्देशन पर, त्रिलोक मरावी पंचायत इंस्पेक्टर, पेंशन अधिकारी दीपक भारतीया, तेज लाल बंजारा कंप्यूटर ऑपरेटर, जय सिंह धुर्वे सचिव ग्राम पंचायत भीमडोंगरी,चैल सिंह मरावी सचिव ग्राम पंचायत मनोरी, गुलाब सिंह उइके रोजगार सहायक, अजय कुमार राय रोजगार सहायक, का सराहनीय योगदान रहा।

ख्याति प्राप्त गौतम खट्टर पहुंचे मंडला हुआ स्वागत

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गौतम खट्टर के मंडला आगमन पर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला से उनका स्वागत किया है। श्री खट्टर 13 जून की रात्रि को मंडला पहुंच चुकें हैं। आज दोपहर 1 बजे से बंधन मैरिज लॉन में उनकी आमसभा होने जा रही है। जिसकी व्यापक तैयारी की गई है सामाजिक कार्यकर्ता अजय वंशकार ने बताया कि गौतम खट्टर अंर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हिन्दू विचार धारा के कार्यकर्ता है जिनके औजस्वी उद्बोधन पूरे देश में चर्चा में बनें रहते हैं। इने हम यूट्यूब फैसबुक इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुनते आए हैं ऐसे ओजस्वी तेजस्वी वक्ता को सुनने का मौंका आज जिलेवासियों को मिला है। श्रेष्ठ भारत अजेय भारत के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री खट्टर आ रहे हैं। जहां पर कार्यक्रम उपरांत जिले के रक्तदाता और समाजसेवियो का सम्मान भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री द्वारा किया गया भूमि पूजन हो रहा कोरा साबित

नेताओं के दांव पेंच में उलझा काम

*** अधिकारियों के संरक्षण के चलते सचिव कर रहे मनमानी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आदिवासी बहुल जिले में सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य भी शुरू नहीं हो पा रहे हैं कारण प्रशासन में बैठे जिम्मेदारों की उदासीनता है। ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है जहां जनपद पंचायत मंडला के अधिकारियों के संरक्षण के चलते ग्राम पंचायत का सचिव मनमानी करते हुए कार्य को शुरू नहीं होने दे रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत ढेंको में वर्ष 2023-24 में स्वीकृत मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना अन्तर्गत स्वीकृत तालाब गहरीकरण एवं सौंदीकरण कार्य किया जाना था जिसका विधिवत टेंडर भी हो चुका था लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता एवं मनमानी के चलते अब तक कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। बताया गया कि पूरे मामले में स्थानीय ग्रामीणों व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि द्वारा कई बार पत्राचार करते हुए जनपद सीईओ एवं जिला पंचायत के सीईओ को अवगत कराया गया है लेकिन अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है जिसके चलते स्थिति जस की तस बनी हुई है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पंचायत के सचिव अपनी मनमानी कर रहे हैं और उन्हें अधिकारी अपना संरक्षण दे रहे हैं जिसके चलते ग्राम विकास के कार्य और सरकार के मनसा अनुरूप कार्य नहीं हो पा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि द्वारा जनपद एवं जिला पंचायत के सीईओ पर आरोप लगाते हुए कहा है कि इनके द्वारा तात्कालिक कार्रवाई न करते हुए मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इसके साथ ही बताया कि ग्राम पंचायत ढेंको जनपद पंचायत मण्डला में वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री अधोसरंचना योजना अन्तर्गत तालाब गहरीकरण एवं सौर्दीकरण का कार्य स्वीकृत हुआ था, एवं उक्त कार्य का भूमि पूजन मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा जिला मुख्यालय में वर्चुअल किया जा चुका है। उक्त कार्य का विधिवत वर्ष 2023 में स्थानीय परन्तु ग्राम पंचायत ढेंको के जवाबदार लोगों के द्वारा अनावश्यक कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए जनपद के उपयंत्री, सहायक यंत्री एंव सचिव पर दबाव बनाकर कार्य में रूकावट की जा रही है। स्थानीय जागरूक लोगों के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मण्डला को कई बार बोलने पर भी आज दिनाँक तक कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। चुकी बरसात का समय शुरू होने वाला है जिसे देखते हुए कार्य को पुनः प्रारंभ करने के लिए प्रशासन के अधिकारी एवं सचिव को कहा गया लेकिन अब तक इनके द्वारा कार्य शुरू नहीं कराया जा रहा है। यहां पर मुख्यमंत्री द्वारा किया गया भूमि पूजन कोरा साबित हो रहा है।

ओम ही है ब्रम्ह

*** सृष्टि के निर्माण के पूर्व ओम के स्वर की ही रही गूंज।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रलय के समय जब सृष्टि का अंत होता है और फिर पुनः सृष्टि की उत्पत्ति होती है इस कालखण्ड में जो एक स्वर गुंजायमान रहता है वह ओम की ही ध्वनि है। 3 अक्षरों से निर्मित ओम ही ब्रम्ह कहलाता है और ओम से ही पंच महाभूतों की उत्पत्ति होती है और इसी पंचतत्व से फिर सृष्टि का निर्माण होता है ये पंच तत्व है आकाश, अग्नि, जल, वायु और पृथ्वी। पीपल घाट में चल रही श्री नर्मदा महापुराण का श्रवण कराते हुये पंडित अनिल जी पाराशर (शास्त्री) जी ने प्रत्येक कल्प में जिस तरह सृष्टि का विनाश एवं पुनः उत्पत्ति होती है इसे विस्तार से बताया इन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक कल्प मार्केण्डेय ऋषि ने नर्मदा को देखा सृष्टि के अंत के बावजूद माँ नर्मदा का प्रत्येक कल्प में आस्तित्व बरकरार रहा है।

शास्त्री जी ने कथा के दौरान यह भी बताया कि आज के कलयुग में भी जिन्हें अमृत्व का वरदान प्राप्त है वे इस धरा पर हैं लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते। जिन्हें अमृत्व मिला है वे मार्केण्डेय ऋषि, अश्वतथामा, महावीर हनुमान, राजा बली, विभीषण, कृपाचार्य, भगवान परशुराम आज भी इस धरा पर साक्षात विराजमान हैं जो विभिन्न स्वरूपों में हमें मिलते तो हैं लेकिन हम सांस्कारिक लोग उन्हें पहचान नहीं पाते। प्रत्येक कष्ट या संकट में हम सभी संकट मोचन हनुमान जी का ही ध्यान करते हैं और संकट से मुक्ति पाते हैं।

पंचपदी शिक्षण प्रक्रिया आधारित त्रिदिवसीय कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/बम्हनीबंजर

सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदहा वार्ड बम्हनी बंजर में पंचपदी शिक्षण प्रक्रिया आधारित त्रिदिवसीय आचार्य कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला समापन में मुख्य अतिथि चन्द्रप्रकाश वर्मा विद्यालय व्यवस्थापक,विशिष्ट अतिथि प्रदीप पटेल समिति उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह ठाकुर, गणेश प्रसाद सोनी, विद्यालय प्राचार्य श्रीमती निशा पाण्डेय उपस्थित रहे। तृतीय दिवस की कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती, ऊँ, भारतमाता के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात गणेश प्रसाद सोनी के द्वारा हिंदी विषय की महत्वपूर्ण जानकारी दी। अमित चौरसिया के द्वारा वैदिक गणित शिक्षण के बारे में बताया गया। संदीप कुमार सिंगौर के द्वारा पंचपदी शिक्षण प्रक्रिया के मुख्य बिंदु बताए गए एवं आचार्यों से पंचपदी शिक्षण प्रक्रिया के बिंदुओं पर आधारित आदर्श पाठयोजना बनवाई गई। राजेंद्र सिंह ठाकुर के द्वारा पर्यावरण विषय की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई साथ ही उनके द्वारा समिति उपाध्यक्ष एवं व्यवस्थापक की उपस्थित में विद्यालय को शिक्षण सहायक सामग्री भी प्रदान की गई। तत्पश्चात चन्द्रप्रकाश वर्मा के द्वारा समस्त आचार्य परिवार को शुभकामनाएं दी गई एवं कार्यशाला के समापन पर उन्होंने अपने विचार रखे और कार्यशाला का महत्व भी बताया कि हमनें इस कार्यशाला में जितना भी सीखा है उसे अपने विषय किस प्रकार से शामिल करना है उसके बारे में बताया गया। अंत में शांति मंत्र के साथ इस त्रिदिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट द्वारा एक्सपोजर विजिट

मण्डला। पी.एम.कॉलेज आफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ट के विद्यार्थियों को शासन के निर्देशानुसार एक्सपोजर विजिट के अंतर्गत एतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों, वैज्ञानिक संस्थानों, साईन सिटि, आब्जरवेंटरी के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों का पुरातत्व संग्राहालय मण्डला में विजिट किया गया, जिसमें 10वीं शताब्दि से 17वीं शताब्दि तक उपयोग में आने वाली वस्तुएँ युद्ध के औजार देवी-देवताओं की मूर्तियों एवं सात हजार वर्ष पूर्व डिवोनियन पीरेड के फॉसिल्स का अध्ययन किया गया जिसमें फॉसिल्स बनने की विधियाँ एवं वर्तमान फॉसिल्स पौधों के जड़, तना, पत्ती, फल एवं बीज के फॉसिल्स दिखाया गया तथा डिवोनियन पीरेड में पेड़-पौधे किस प्रकार से पत्थर बने इसकी विस्तृत जानकारी डॉ.बी.एल.झारिया पेलियो वॉटनिस्ट द्वारा छात्रों को जूलोजिकल समय-सारणी के अनुसार पौधों एवं जीव जन्तुओं की उत्पत्ती के बारे में बताया गया और मण्डला पुरातत्व संग्राहालय में अधिकतर पाम के वृक्षों के फॉसिल्स प्राप्त हुए हैं जो एक बीज पत्री एवं द्विबीज पत्री के नहीं हैं। उपरोक्त जानकारी उपरांत फॉसिल्स एवं पुरातत्विक संग्राहालयों का बनाकर पुरात्त विभाग को सहयोग करने हेतु छात्रों में एक रूचि प्रदान की गई जिससे वे अपने रोजगार के सुअवसर पहचान सकें।

सेवा भारती कन्या छात्रावास में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सेवा भारती कन्या छात्रावास में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रावास की सभी छात्राओं एवं उपस्थित प्रतिभागियों को वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा महिला हेल्प लाईन नंबर 181 एवं चाइल्ड हेल्प लाईन नं. 1098 के बारे में छात्राओं को महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के लिये जागरूक करने हेतु समझाईश दी गई। साथ ही छात्राओं को गुड टच और बेड टच के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता का महत्व के बारे में जानकारी दी गई। पीसीपीएनडीटी एक्ट गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन किस प्रकार किया जाये इसके बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही लिंग संवेदीकरण के प्रति जागरूक रह कर लिंग के प्रति हिंसा से दूर रहने की बात समझाई गई। इसके अलावा साईबर सुरक्षा अभियान चला कर लोगों को साईबर हेल्पलाईन नंबर 1930 के प्रति भी जानकारी दी गई। किस प्रकार सतर्क रह कर न सिर्फ हम स्वयं की सुरक्षा कर सकते हैं बल्कि अपने परिवार और आस पास के लोगों को भी समाज में जागरूक कर सकते हैं। उक्त कार्यक्रम के दौरान छात्रावास की अधीक्षिका भारती मसराम, दीपक रोहरा, जिला समन्वयक हरिकेश दुबे, गायत्री शक्ति पीठ के सदस्य एवं वन स्टॉप से केसवर्कर सुश्री आशा नंदा, श्रीमती साक्षी पटवा बहूउद्देशीय कार्यक्रर्ता हरीशंकर कछवाहा उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता | **दक्षिण क्षेत्र जनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता की तैयारियां जोरों पर।**

15 जून से प्रारंभ होगी जिला फुटबॉल प्रतियोगिता

*** मध्यप्रदेश के 8 जिलों की टीम हो रही शामिल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

महात्मा गांधी स्टेडियम मंडला में म.प्र. फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल संघ, मण्डला के तत्वाधान में दक्षिण क्षेत्र जनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया जा रहा है। लीग आधार पर आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 जून से 22 जून 2025 तक होगा। इस प्रतियोगता में मध्यप्रदेश की आठ जिले की टीमे भाग ले रही है। इसमें बालाघाट, जबलपुर, बैतूल, सिवनी, बुरहानपुर, रायसेन, छिंदवाड़ा और मेजबान मंडला की टीम शामिल है।

प्रतियोगिता सचिव पंकज उसराठे ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर इंतिज़ाम किए जा रहे है। मैदान को तैयार किया जा रहा है। खिलाडियों के रुकने व खाने की भी व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता को सफल बनाने व खिलाडियों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंतिज़ाम किए जा रहे है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिला फुटबॉल संघ, मण्डला द्वारा मंडला जिले के मोहगांव, नैनपुर, मंडला, मवई, घुघरी विकासखण्ड के 90 खिलाडियों को चयन प्रकिया में शामिल किया गया था। इनमें से मंडला डी.एफ.ए. ने 20 खिलाडियों का चयन किया चयनित खिलाडियों में अनिवेश जैन, सारांश मार्को, रुद्र धुर्वे, कार्तिक कछवाह, अथर्व नामदेव, अर्पित कोर्चे, गोलू परते, कृष्ण कुमार, रोहित कुमार परते, शिवनारायण भारतीया, सुमित कुमार उईके, राजकुमार चिचाम, पंकज मरावी, प्रदुम शर्मा, सौरभ वरकड़े, शिवम शर्मा, अंश उसराठे, ओमी चौहान शामिल है। चयनित खिलाडियों के लिए कैंप लगाया गया है। इस कैंप में खिलाड़ी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खूब पसीना बहा रहे है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में नगर अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला फुटबॉल संघ के डॉ. दिलीप शर्मा, वेद प्रकाश कुलस्ते, अनिल सोनी, स्वामी शारदात्मानन्द, अन्नू वासल, चंद्रेश खरे, मुजवी हसन, देवेंद्र सरोते, बासु सिंधिया, प्रथम चौकसे, कुशल भवेदी सहित विभिन्न खेल प्रेमी उल्लेखीनय भूमिका का निर्वहन कर रहे है।

खबर संक्षेप

शहरों के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में अपना जाल फैलाते हुये बेरोजगारों को भ्रमित करते हुये देखी जा रही अनेक निजी कंपनियां...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं, इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं। वही लोगों का आरोप है कि इन तथा कथित कंपनियों के उत्पाद इतने महँगे हैं कि इन्हें खरीद ही नहीं सकते चूँकि जो भी व्यक्ति रकम जमा कर इन कंपनियों का एजेन्ट बन जाता है तो उसे दूसरा एजेन्ट बनाने का कार्य दिया जाता है और वह निकल जाता है किसी बेरोजगार को अपना एजेन्ट बनाने और कम से कम समय में लखपति बनाने के रंगीन सपने दिखाकर दूसरे को भी फाँस लिया जाता है और बोला ताजा है कि तुमको घर बैठे पैसा मिलेगा एक बार इस काम को शुरू तो करो फिर देखना कितनी कमाई होती है,क्योंकि जो एजेन्ट दूसरा एजेन्ट नहीं बनाता है उसे कमीशन नहीं मिलता है इसलिये एक दूसरे को फँसाते रहते हैं ना तो कोई दो महीने में लखपति बना है और ना ही बनेगा? इस प्रकार की जिनती भी कंपनियाँ इस क्षेत्र में काम कर रही हैं वह युवकों को गुमराह कर पैसा ऐंठने का कार्य कर रहीं हैं,पढ़े लिखे युवक उनकी बातों में आकर लखपति बनने का सपना देखकर वह अपना पैसा फंसाकर कंपनी के लिये काम करना शुरू कर देते हैं, इतना ही नहीं इन तथाकथित कंपनियों ने अनेक शासकीय कर्मचारियों को भी अपनी गिरफत में ले लिया हैजो अपने एजेन्ट बनाने के लिये अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर प्रभाव डालकर उन्हें इस कंपनी की लिंक चैन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार की कंपनी द्वारा लखपति बनाये जाने के मायाजाल में फंसे कर्मचारियों की जाँच होनी चाहिये और इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिये, कुछ कर्मचारियों की तो यह स्थिति है कि वह अपनी पत्नियों के नाम से कंपनी में जुड़कर अपने ईमानदारी से करने वाले कार्य को नजरअंदाज कर इस कार्य में लगे हुये हैं जिसके कारण यह कंपनियाँ दिन दुगना रात चौगुना जाल फैलाती जा रही हैं।

जमाड़ा रोड़ स्थित श्री पैलेस शादी भवन में लोहे की सीढ़ी ले जा रहे मजदूरों को लगा 11 के व्ही लाईन का करेंट

मौके पर तीन की मौत अन्य तीन घायल, मृतकों को आर्थिक मदद की मांग करते हुये लगभग 6 घंटे तक परिजनों ने किया हगांमा, मृतक के परिजनों को 6-6 लाख की राशि देने के बाद लाश लेने हुये तैयार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

नगर में संचालित हो रहे शादी घरों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी..? क्योंकि अनेक शादी घर जहां बगैर शासन के माप दंडों का पालन करते हुये संचालित होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर कुछ धनवान लोगों द्वारा जिस जगह पहले कालोनी काटने के लिये प्लाट विक्रय किये गये थें कुछ प्लाटों के विक्री करने के उपरांत उन्ही के पास शादी घर बनाते हुये जिस तरह उनका मनमाने रूप से संचालन करते हुये देखा जा रहा है उसके चलते आसपास निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर इन शादी घरों में काम करने वाले मजदूरों को बगैर किसी प्रकार के सुरक्षा प्रबंध के साधन उपलब्ध कराते हुये शादी घर मालिकों द्वारा उनसे काम लिया जा रहा है उसके चलते उनकी जान को खतरे में देखा जाना आम बात बन चुकी है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये शुक्रवार की सुबह नगर के जमाड़ा रोड स्थित श्री पैलेस शादी घर के जनवासा में उस समय देखने मिली जब यहां पर काम करने वाले लगभग आधा दर्जन मजदूर वर्ग के कर्मचारी मुख्य द्वार पर जाली लगाने के लिये एक भारी भरकम नसेनी को बगैर किसी सुरक्षा प्रबंधों के अपने हाथों से घसीटते हुये ले जा रहे थें। इस नसेनी के ऊचाई अधिक होने के चलते जनवासे के मुख्य द्वार के ऊपर से निकली हुई 11 के व्ही लाईन से टकरा जाने के कारण नसेनी को धक्का दे रहे मजदूरों को हाई पावर लाईन का करेन्ट लग जाने के कारण जहां तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई तो तीन घायल होने के चलते उपचार हेतु शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया जिसमें एक मजदूरों की स्थिति गंभीर बताई जाती है। इस तरह नगर में दिल दहलाने वाली घटना की जानकारी मिलते ही जहां मौके पर नगर निरीक्षक विक्रम रजक अपने बल के साथ मौके पर पहुंचे वही दूसरी ओर बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा भी मौके पर पहुंचकर बिजली लाईन को बंद किया गया। यह श्री पैलेस मैरिज गार्डन नगर के जाने वाले प्रकाश काबरा को बताया जाता है...? इस तरह सुबह लगभग 10.30 बजे घटित हुई घटना की नगर में जानकारी फैलते ही घटना स्थल पर लोगों का हुजूम लग गया वही दूसरी ओर मृतक मजदूरों की स्थिति देखते हुये लोगों की आंखों में आंसू झलकने से नही चूक रहे थें। घटित हुई घटना में मृत हुये मजदूरों में पियुष पिता गोलू मेघवाल उम्र 21 साल निवासी परदेशी पुरा इंदौर हाल निवासी श्री पैलेस मैरिज गाडरवारा गाडरवारा, राजू उर्फ राजकुमार पिता सुदामा साहू उम्र 45 साल निवासी पलोटन गांज गाडरवारा व पूरन पिता डालचंद जाटव उम्र 40 साल निवासी राजेन्द्र बाबू वार्ड गाडरवारा शामिल है। वही घायलों में आशाराम पिता बद्री प्रसाद जाटव उम्र 60 साल निवासी खैरी कामती, आशीष पिता चंद्रभान कौरव उम्र 24 साल निवासी ग्राम चांदनखेड़ा तथा संतोष पिता नारायण पाली उम्र 30 साल निवासी गाडरवारा शामिल है। वही संतोष पाली की स्थिति गंभीर होने के चलते जिला चिकित्सालय के लिये रेफर किया गया था जहां से जबलपुर के लिये रेफर किये जाने की खबर है। बताया जाता है कि संतोष पाली की स्थिति भयानक बनी हुई थी और वह जिन्दगी व मौत से लड़ते हुये देखा जा रहा था..? इस तरह मौके पर मृत हुये लोगों को जब घटना स्थल से पोस्ट मार्टम हेतु पुलिस शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा लेकर आई तो इस दौरान जहां मृतको के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गये थें। इस प्रकार से मरने वालों के छोटे छोटे बच्चों को बिलखते हुये देख लोगों में जहां आक्रोश देखने मिल रहा था। इसी के चलते मृतको के परिवार जनों के साथ मिलकर अन्य लोगों द्वारा पीडितों के लिये न्याय सहित आर्थिक मदद की मांग करते हुये हगांमा शुरू कर दिया गया था। इस प्रकार से कानून स्थिति बिगड़ते हुये देख नगर के शासकीय चिकित्सालय में गाडरवारा सहित समीपस्थ सांईखेड़ा, चीचली से भारी पुलिस बल बुलाते हुये तैनात कर दिया गया था। वही स्थिति को ध्यान में रखते हुये अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति कलावती व्यारे, तहसीलदार प्रियंका नेता सहित नगर निरीक्षक मौके पर मौजूद रहते हुये संपूर्ण स्थिति पर नजर बनाये हुये थें। वही दूसरी ओर पीडित परिवारजनों के साथ नगर के समाज सेवी रवि शेखर जायसवाल, पवन पटैल के आलवा बाबू लाल नेता कंधा से कंधा मिलाते हुये उनको हर संभव मदद दिलाने के लिये मौके पर मौजूद अधिकारियों से बात करते हुये देखे जा रहे थें। वही दूसरी ओर समाज सेवी मुकेश बसेड़िया द्वारा भी मृतको के परिजन व मासूम बच्चे जिस तरह बिलाप करते हुये धूप में बिलख रहे थें उन्हें ठंडे पानी की व्यवस्था करते हुये नजर आये। बताया जाता है कि मृतक परिजनों द्वारा मैरिज गार्डन के संचालक से पहले पचास लाख की मांग की गई तो मैरिज गार्डन के परिवार से आये हुये सदस्य द्वारा मात्र एक एक लाख देने की बात कही गई तो पीड़ित परिवार के लोग आक्रोशित होने से नही चूक पाये और वह कहने लगे क्या एक धनपति के नजरों में हम मजदूरों की जिन्दगी की कीमत मात्र एक लाख रूपया ही आंकी जा रही है। इस तरह मृतकों के परिजन उचित सहायता राशि की मांग करते हुये शवों को लेने से इंकार कर दिया गया। इस प्रकार से लगभग चार घंटे तक चले हंगामे के बाद श्री पैलेस मैरिज गार्डन के परिवार के सदस्य ब्रजरत्न काबरा द्वारा हर मृतक के परिवार जन को तीन तीन लाख रूपया तथा घायलों का शुरू से लेकर आखरी तक इलाज कराने की बात कही गई जब कही हगांमा शांत हो पाया और मृतक के परिवार जन शव को लेकर जाने के लिये तैयार हुये। इस तरह नगर में घटित हुई अन्होनी घटना की जानकारी प्रदेश तक पहुंच जाने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भी मृतक के परिवार जनों को दो दो लाख रूपया व घायलो को पचास पचास हजार रूपया की तथा क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा भी अपने ओर से मृतको के परिवार का पचास पचास हजार रूपया व घायलो को बीस बीच हजार रूपया की आर्थिक मदद की घोषणा की गई है। वही दूसरी ओर घटना को लेकर जब पुलिस अधिकारियों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि नगर के जमाडा रोड श्री पैलेस मैरिज गार्डन में काम कर रहे मजदूरों को बिजली करेन्ट लग जाने के कारण तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य तीन घायल है जिनका उपचार चल रहा है। मृतकों के शवों का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है। जांच के बाद जो भी इस घटना का दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जावेगी। इस तरह नगर में घटित हुई घटना के चलते सनसनी का महौल देखने मिल रहा है। जब किसी भी संस्था में किसी मजदूर को काम पर रखा जाता है तो उसकी सुरक्षा की जिम्मदारी उस संस्था के संचालक की होती है.., मगर यहां पर बगैर किसी सुरक्षा साधनों के इस तरह जोखिम भरा काम लेने वाले मैरिज प्रबंधन के खिलाफ कार्यवाही मांग की जाने लगी है। इस दौरान सबसे बड़ी सच्चाई को जो नजारा देखने मिला है वह यह है कि अक्सर नेताओं को गरीब मजदूरों की मंचो के माध्यम से मदद करने का भरोसा देते हुये सुना जाता है। मगर जब इन गरीबों को मदद की जरूरत महसूस की जा रही थी तो इस दौरान न तो कोई सत्ता पक्ष का नेता नजर आया और न ही विपक्ष के नेता ने पहुंचकर इन गरीबों के परिवार के रोते हुये बच्चों के बीच मदद के लिये दो शब्द बोलना भी उचित नही समझा ।

आजीविका मिशन के माध्यम से जमाडा निवासी श्रीमति सोनी बनी आत्मनिर्भर, कम रही है हर माह 12 हजार रूपया

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए कई योजनायें संचालित कर रही है। इन योजनाओं से जुड़कर एवं लाभ पाकर महिलायें सशक्त होकर सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। वही दूसरी ओर शासन की यह योजनायें महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। महिलायें आजीविका मिशन से जुड़कर न केवल स्वयं सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्तर भी ऊंचा उठा रही हैं। इन्हीं महिलाओं में शामिल सांईखेड़ा विकास खंड के ग्राम जमाड़ा के शक्ति स्वसहायता समूह की श्रीमती सुशीला सोनी है। बताया जाता है कि श्रीमति सोनी स्वसहायता समूह के माध्यम से अपनी सिलाई के कार्य को आगे बढ़ाया और सफलता की नई इबारत लिखी। आज श्रीमती सोनी करीब 10 से 12 हजार रुपये की मासिक आय अर्जित कर रही हैं। समूह से जुड़ने के पश्चात उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है तथा परिवार की मासिक आय में पहले से काफी बढ़ोत्तरी हुई है। वे बहुत खुश हैं और कहती हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। यह सब उनके द्वारा संचालित स्वसहायता समूह के माध्यम से हो पा रहा है। ग्राम जमाड़ा की श्रीमती सुशीला सोनी आजीविका मिशन से जुड़ने के पहले की कहानी बताती हैं कि उनकी 3 बेटी और एक बेटा है। उनके पति दीनदयाल सोनी मजदूरी करके परिवार का भरण- पोषण करते थे। मजदूरी से जो पैसा मिलता था उससे उन्हें और उनके परिवार का जीवन यापन होता था। इतनी कम आय से उनकी गरीबी कम नहीं हुई और आवश्यकतायें बढ़ने लगी। आय न होने के कारण आर्थिक स्थिति खराब होने लगी। पहले उनके पति ही मजदूरी करते थे, अब वे स्वयं भी मजदूरी करने लगी। इससे कुछ राहत तो मिली लेकिन उनके पास कोई स्थायी आय का साधन उपलब्ध नहीं था। मजदूरी रोज-रोज भी नहीं मिल पाती थी। इसी दौरान उन्हें स्वसहायता समूह के महत्व की जानकारी प्राप्त हुई। ग्राम जमाड़ा में वर्ष 2018 में आजीविका मिशन के द्वारा शक्ति स्वसहायता समूह के गठन का कार्य किया जा रहा था। उन्हें जानकारी प्राप्त होते ही महिलाओं ने संगठित होकर शक्ति स्वसहायता समूह का गठन किया। समूह द्वारा सर्वप्रथम आजीविका मिशन से प्राप्त चक्रीय राशि में से 15 हजार रुपये का छोटा ऋण लिया। इसके उपरांत उन्होंने बचत राशि से 30 हजार रुपये लिये, जिसके द्वारा उन्होंने अपनी कपड़ा सिलाई के कार्य को आगे बढ़ाया। सिलाई कार्य से अब उन्हें हर माह लगभग 10 से 12 हजार रुपये की आय होने लगी। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया और मजदूरी का काम बंद कर अपना स्थायी स्वरोजगार प्राप्त हुआ। वे कहती हैं कि समूह से जुड़ने के बाद उनकी सबसे बड़ी बेटी की शादी धूमधाम से की और बाकी दो बेटियां और एक बालक पढ़ाई कर रहे हैं। समूह से जुड़कर जीवन में आए बदलाव के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यादव का हृदय से आभार व्यक्त कर उन्हें धन्यवाद देती हैं। साथ ही स्वसहायता समूह के कार्यों की प्रशंसा भी करती हैं।

रात में पेशाब करने के लिये गये ट्रक चालक के करेन्ट लगने से मौत

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि खेतों में सिंचाई के लिये बिजली उपयोग करने वालों द्वारा जिस तरह लापरवाही पूर्वक अपनी लाईनों को खुला छोड़ दिया जाता है वह लोगो की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये गुरूवार शुक्रवार की दरम्यानी रात नगर के रायल पैलेस के सामने देखने मिली जहां पर खेत में फैले हुये करेन्ट की चपेट में आने के चलते एक ट्रक चालक की मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कटनी जिले के अंतर्गत आने वाली करौंदी कला निवासी खेमराज पिता लालजी तिवारी उम्र लगभग 37 साल अपना ट्रालानुमा ट्रक लेकर कोई माल लेने के लिये गाडरवारा आया हुआ था जिसने रात के समय अपने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा करते हुये उसी में सो गया। रात 12 बजे जब वह पेशाब करने के लिये खुले मैदान में गया तो खेत में फैले हुये करेन्ट की चपेट में आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर पुलिस ने मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लेकर इस बात का पता करने का प्रयास किया जा रहा है कि इस तरह खुले मैदान में करेन्ट फैलाने का जिम्मेदार कौन है...?

नर्मदा में डूबने से दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। नदी नाले में नहाने के दौरान लापवाही जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस सांईखेड़ा निवासी हल्के उर्फ घन श्याम नौरिया उम्र 32 साल व राजा पिता खुमान कहार उम्र 26 साल दोनों शराब के नशे में मस्त होकर नर्मदा जी के झिकोली घाट नहाने के लिये गये हुये थें। इस तरह शराब के नशें में जब यह युवक गहरे पानी में पहुंचे और तैरने में असमर्थ होने की स्थिति में डूबने से नही बच पाये। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची सांईखेड़ा पुलिस द्वारा स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों युवको की खोज कर बाई गई मगर कही नही मिले। वही घटना के दूसरे दिन दोनों युवकों के शव झिकोली के नीचे निवावर घाट पर तैरते हुये पाये जाने पर पुलिस द्वारा दोनों युवकों के शबो का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

विकासखंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक हुई संपन्न, असाक्षरों के सर्वे एवं पोर्टल पर फीडिंग पूर्ण करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। विकासखंड चीचली के जनपद शिक्षा केंद्र में बीपीएमयू बैठक का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस बैठक को संबोधित करते हुए विकासखंड स्रोत समन्वयक डी के पटैल ने नवीन सत्र में शाला संचालन, कक्षा पहली व छठवीं एवं कक्षा नवमी में प्रवेश की समीक्षा तथा नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों की मैपिंग एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर करने के निर्देश दिये गये तथा उनके द्वारा जाति प्रमाण पत्र संबंधित फाइल शीघ्रता से लोक सेवा केंद्र में जमा करने, निर्माण कार्य की समीक्षा, अपार आईडी निर्माण कार्य तत्परता से पूर्ण करने के साथ ही 16 जून से पीएम पोषण आहार के मासिक तथा दैनिक मैसेज, खाद्यान्न उठाव, टेक्स्ट बुक वितरण ऐप पर पुस्तकों की रिसीविंग एवं विद्यार्थियों को एप पर वितरण संबंधित कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के समन्वयक सत्यम ताम्रकार द्वारा नवभारत साक्षरता अभियान अंतर्गत सभी जन शिक्षा केंद्रों के सभी ग्राम बसाहटों की समीक्षा करते हुए वार्डवार, ग्रामवार लक्ष्य अनुसार परीक्षा में असाक्षरों के सर्वे, सामाजिक चेतना केंद्र पर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने, सामाजिक चेतना केंद्रों के संचालन, मॉनिटरिंग तथा सामाजिक चेतना केंद्रों की साक्षरता पंजी के सतत अद्यतन संबंधित बात कही गई। वही एम आईएस दीपक श्रीवास्तव एवं सीएसी अनूप पालीवाल द्वारा आगामी समय में होने वाली कक्षा पहली एवं कक्षा दूसरी के रिफ्रेशर ट्रेनिंग की कार्य योजना एवं उपस्थिति हेतु सार्थक ऐप से सभी को परिचित कराया। प्रभारी एमआरसी अजय नामदेव द्वारा वर्तमान सत्र में दिव्यांग छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं एवं उनकी यूआईडी प्रमाण पत्र बनवाने संबंधी बात कही। इस बैठक में एमआईएस दीपक श्रीवास्तव, लेखापाल खुशबू ब्रिजपुरिया, अजय नामदेव, संजय सोनी, ललित पाराशर, अनूप पालीवाल, हेमंत पटेल, हरीश गुप्ता, सत्यम ताम्रकार, हरिओम स्थापक, वीरेंद्र रघुवंशी, कैलाश कहार सहित अन्य लोग मौजूद थें।

सांदीपनि विद्यालय में समर कैम्प का हुआ सफल आयोजन, बच्चों ने सीखे विविध कलात्मक व शैक्षणिक गुर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेडा स्थित सांदीपनि विद्यालय में बीते हुये एक मई से प्रारंभ हुए ग्रीष्मकालीन समर कैम्प में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए विविध कलाओं व गतिविधियों में अपने कौशल को निखारा। कैम्प के प्रभारी भानु प्रताप राजपूत व लालसिंह लोधी के नेतृत्व में इस बार कैम्प को सात विभिन्न थीमों में विभाजित किया गया, जिससे विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया। बताया जाता है कि करीब 150 विद्यार्थियों से आरंभ हुआ कैम्प अंततः 200 से अधिक बच्चों की भागीदारी तक पहुंचा। संस्था प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा ने बताया कि सभी विद्यार्थियों को उनकी रुचि अनुसार वर्गीकृत कर विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों के नेतृत्व में प्रशिक्षण दिया गया। प्राथमिक विभाग में शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल ने मांडना और मधुबनी जैसी पारंपरिक चित्रकला से बच्चों को अवगत कराया, वहीं लोकसंस्कृति की पहचान "बिरहा" से बच्चों को परिचित कराने के लिए विशेष सांस्कृतिक दल आमंत्रित किया गया। वही संगीत शिक्षक तरुण श्रीवास्तव ने बच्चों को संगीत की बारीकियों से रूबरू कराया, जबकि खेल गतिविधियों का संचालन आदित्य द्विवेदी ने किया। पुस्तकालय गतिविधियों का संचालन रीतेश अवस्थी के मार्गदर्शन में हुआ, और बुंदेली लोककला का जीवंत प्रदर्शन प्रभारी भानुप्रताप राजपूत द्वारा किया गया।भाषा ज्ञान को केंद्र में रखते हुए चंद्रशेखर बसेडिया के निर्देशन में भाषायी समर कैम्प भी संचालित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। इस कैम्प में अर्चना तिवारी, सोनल दीक्षित, कीर्ति चौबे, दीपमाला धुर्वे, मनीष तिवारी, अखिलेश मेहरा, दुर्गेश शुक्ला, हरिगोविंद पटेल, मनोहर पटेल, रूपसिंह, विष्णु व सुधीर प्रजापति सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी सहयोग प्रदान किया।

भैया घरे जाकर अंगूठा लगवा लेत है और हमें पांच महिना से राशन ही नहीं मिला, क्षेत्र की सोसाईटी में नहीं मिल रहा गरीबों को राशन

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। जहां एक ओर सरकार द्वारा गरीबों को भोजन प्रदान करने की सोच के चलते सस्ता अनाज प्रदान किया जा रहा है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा प्रदान किये जाने वाला यह अनाज उन लोगों को मिल ही नही पा रहा है? यह बात अलग है कि इस तरह राशन वितरण में होने वाली गफलत बाजी को सरकार द्वारा डिजीटल बनाते हुये अंकुश लगाने के प्रयास किये गये है। मगर सरकार के प्रयाय यहां पर भी फेल होने से नही चूक रहे है। क्योंकि गरीबों के हक पर डाका डालने वाले इस डिजीटल व्यवस्था में भी गरीबों के बीच पहुंचकर उन्हे गुमराह करते हुये डाका डालने में पीछे नही है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवो में देखने मिल रहा है जहां पर गरीबों द्वारा खुद ही अपनी जुबानी सुनाते हुये बताया कि यहां के सेवा सहकारी समितियों के कर्ताधर्ताओं द्वारा गरीबों को अनाज वितरण करने वाले व्यक्ति द्वारा घरों में पहुंचकर दो दो माह के राशन प्रदान करने की बात कहते हुये अंगूठा तो लगावा लिये जाते है। मगर जब हम राशन लेने के लिये पहुंचते है तो सोसाईटी में ताला लटका रहता है। इस तरह एक गरीबो को कहना है कि पहले उससे तीन माह का राशन देने के बात कहते हुये अंगूठा लगवाया गया था इसके बाद दो माह का देने की बात कही गई मगर पांच माह से हमें राशन ही नही मिला। इसी तरह एक अन्य महिला ने भी अपनी जानकारी में बताया कि वह बीते हुये 6 माह से राशन प्राप्त करने के लिये चक्कर लगा रही है। मगर 6 माह यानि की आधे वर्ष से राशन नही मिल है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इन गरीबों को भोजन प्रदान करने के लिये सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किये जा रहे है। मगर जब उन तक पहुंच ही नही पा रहा है तो फिर सरकार का गरीबों को दो वक्त की रोटी देने का सपना कहा तक सफल हो पायेगा...? वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात यह भी है कि जिले से लेकर तहसील स्त की बागडोर संभालने वाले सक्षम अधिकारियों को आये दिन ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करते हुये यह बात कही जाती है कि उनके द्वारा गांव गांव पहुंचकर गरीबों की बाते सुनी जा रही है और उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

दुकान के पास विक्रय के लिए रखी अवैध शराब जप्त

डिंडौरी- कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सक्का में एक दुकान के पास युवक द्वारा विक्रय के लिए रखी अवैध शराब जप्त की गई है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुयी कि ग्राम सक्का मे संजय साहू अपनी दुकान के पास अवैध रूप से शराब बिक्री हेतु रखे हुये है। मुखबिर की सूचना पर उसके बताये स्थान पर दबिश दी गई। मौके पर एक आदमी अपने हाथ मे एक थैला रखे हुये दिखायी दिया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम संजय कुमार साहू पिता मदन कुमार साहू उम्र 22 साल निवासी ग्राम सक्का बताया। उसके पास रखे थैला की तालाषी ली गई जिसमे 6 नग मैकडाबल नंबर वन शराब कुल कीमती करीब 1080 रूपये, अंग्रेजी जीनियस 8 नग कीमती करीब 1440 रूपये रखी मिली। कुल शराब 2.520 लीटर कीमती 2520 रूपये की जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध धारा 34 ए आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

फांसी के फंदे में झूलता मिला युवक का शव

डिण्डौरी। मेंहदवानी थाना अंतर्गत गुझियारी और सुकलौंडी के जंगल में महुआ के पेड में एक युवक का शव झूलता मिला । सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पेड से उतरवाकर पीएम के लिये रवाना कर दिया है। जानकारी के अनुसार गुझियारी निवासी निखिल अहिरवार पिता अखिलेष अहिरवार उम्र 25 साल बुधवार की शाम से घर से गायब था और गुरूवार सुबह ग्रामीणों ने गुझियारी के जंगल में पेड पर उसका शव झूलता पाया जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी लगने के बाद गांव में सनसनी फैल गई।

टेक्टर ट्राली खाई में जा गिरा, चालक की मौत

डिण्डौरी। मेंहदवानी थाना अंतर्गत खरगवारा गांव के नजदीक एक टेक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर लगभग 20 फीट खाई में जा गिरा जिसकी चपेट में आने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम करते हुये पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिये मेंहदवानी रवाना कर दिया है। और विवेचना शुरू कर दी है। प्रत्यक्ष दर्षियों के अनुसार राई से मेंहदवानी के तरफ जा रहा टेक्टर ट्राली खरगवारा के नजदीक मोड में अनियंत्रित हो गया। और चालक ने वाहन से नियंत्रण खोने के बाद खुद को बचाने के लिए पटरी में कूदने का प्रयास किया लेकिन वह इंजन में ही फंसा रह गया खाई में गिरने के बाद टेक्टर ट्राली पलट गया और चपेट में आने से चालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से चालक के शव को बाहर निकाला ।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 से लगेंगे शिविर

डिण्डौरी। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष, अभियान एवं प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत जिले के ग्राम पंचायत स्तर तक विषेष षिविरों का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर नेहा माराव्या के निर्देषन में ये षिविर 15 जून से शुरू होगा जो 30 जून तक चलेगा। धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत विकासखंड एवं ग्राम स्तर तक सभी जनजाति हितग्राहियों को उनकी पात्रता अनुसार लाभ दिलाए जाने का विषेष अभियान चलाया जाएगा। जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त जनजाति का विभाग डॉक्टर संतोष शुक्ला ने बताया कि इस अभियान के तहत आधार कार्ड आयुष्मान कार्ड पीएम किसान सम्मान निधि जनधन खाते राषन कार्ड सामाजिक सुरक्षा पेंषन छात्रवृत्ति जैसी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जो निर्देष दिए गए हैं, उसके तहत पंचायत स्तर तक लोगों को जानकारी उपलब्ध की जा रही है। बताया गया है, कि जनजाति कार्य विभाग द्वारा गांव में ढोल नगाडे से मुनादी करा रहा है, पंचायत स्तर पर षिविर आयोजित करने के लिए तिथियां भी निर्धारित कर दी गई है। अलग-अलग तिथियों में षिविर आयोजित होगें। नोडल अधिकारी भी बनाए गए है।

बैगा बहुल्य गांव की महिलाओं ने खाली बर्तन और लकडी रखकर मार्ग को किया जाम], डेढ घंटे तक आवागमन रहा बाधित

पेयजल सकंट टिकरिया के ग्रामीणों ने चक्काजाम कर किया प्रदर्शन

प्रशासन की समझाईश के बाद चक्काजाम हुआ समाप्त

हरिभूमि न्यूज, डिण्डौरी

समनापुर डिण्डौरी रोड स्थित किकरझर गांव में पेयजल संकट से जूझ रहे टिकरिया गांव के ग्रामींणो ने चक्काजाम करते हुए विरोध प्रदर्षन किया । धूप में महिलाएं खाली बर्तन सड़क पर रख बैठ गई, जिसके कारण डिण्डौरी से समनापुर जाने वाले मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा ।

विरोध प्रदर्षन करने वाली महिलाओं ने बतलाया कि पानी की समस्या को लेकर जिला प्रषासन से भी षिकायत कर चुके है। लेकिन उनकी समस्या पर किसी ने ध्यान नही दिया । महिलाओं ने बतलाया कि उनके गांव में नल जल संचालित है और पानी सप्लाई सरई गांव से किया जाता है लेकिन उन्हे पर्याप्त पानी नही दिया जाता । साथ ही कई दिन पानी ही सप्लाई नही की जाती । गुरूवार को भी उनके गांव में पानी सप्लाई नही की गई जिससे उनका गुस्सा फूट पड़ा और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होना पडा । शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे ग्रामींण किकरझर और सरई गांव के बीच सडक पर खाली बर्तन और लकडी रखकर जाम लगा दिया । जिससे मार्ग के दोनो तरफ वाहनो की कतार लग गई । सूचना के बाद तहसीलदार आर पी मार्को , पीएचई के एसडीओ और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची जिनके द्वारा समझाईष देने के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ । लगभग डेढ़ घंटे तक ग्रामींण मार्ग को जाम रखा जिससे मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की कतार लग गई। चक्काजाम कर रहे ग्रामींणो ने बतलाया की टिकरिया गांव पडरिया ग्राम पंचायत का बैगा बाहुल्य पोषक ग्राम है और यहां की आबादी 600 के करीब है यहां आधा दर्जन हैंडपंप है लेकिन सभी बिगडे.पड़े है । गांव के बाहर दो कुंआ है वह भी सूख गये है। पेयजल के लिए अन्य कोई स्त्रोत नही है । गर्मी की शुरूआत में भी पानी सप्लाई में कोताही बरती जाती थी लेकिन गांव के पास नाला में झिरिया बनाकर किसी तरह पानी की व्यवस्था कर गुजारा कर लिया जाता था, लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ ही पानी की समस्या बढ़ने लगी। ग्राम में सरई ग्राम पंचायत से पाईप लाईन बिछाकर पानी की सप्लाई की जा रही है लेकिन उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्हे उपयोग के लिए कम पानी दिया जा रहा है तो कभी दिया ही नही जाता । इस बावद उनके द्वारा पूर्व में जिला प्रषासन को लिखित षिकायत दी गई थी लेकिन कोई सुधार नही हुआ । गुरूवार को पानी सप्लाई नही की गई जिसके कारण उन्हे चक्काजाम करना पडा । हालाकि मौके पर पहुचे जिला प्रषासन ने लोगो को समझाईष दिया और उनकी समस्या के निदान का आष्वासन दिया जिसके बाद ग्रामींणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया ।

अमरपुर पुलिस चौकी द्वारा अवैध शराब विक्रय पर की गई सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु अमरपुर पुलिस चौकी द्वारा कार्रवाई की गई। ग्राम अमरपुर में अवैध रूप से शराब बिक्री की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जप्त की गई।

आरोपी: 1. ओमप्रकाश कुमार पिता पुरानचंद साव, उम्र 22 वर्ष, निवासी – नैनाबार (हाल – समनापुर)

2. सुनील पिता राजकुमार जायसवाल, उम्र 24 वर्ष, निवासी – जबलपुर (हाल – समनापुर)

कब्जे से 150 पाव जीनियस रम व्हिस्की, जिसकी अनुमानित कीमत 20,250/- है, जप्त की गई। मामले में अपराध क्रमांक 0/25, धारा 34(ए) आबकारी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिवत कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई में अमरपुर चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक श्र अतुल हरदहा, सउनि रामरतन झारिया, प्रधान आरक्षक 203 गंगा यादव तथा आरक्षक 59 अजीत धुर्वे की सराहनीय भूमिका रही।

लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले आरोपी को एक वर्ष का कारावास

डिंडौरी- जिला अदालत ने तेज लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले आरोपी को एक वर्ष का कारावास की सजा से दंडित किया है। सहायक मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि थाना शहपुरा के अंतर्गत आरोपी हुकुम उर्फ कृष्ण सिंह मरावी पिता नान सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम गुतलवाह को तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाकर गंभीर चोट पहुचाने के मामले में न्यायालय दिलीप पाटिल न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शहपुरा द्वारा धारा 337(04 बार) के अपराध के लिए 06-06 माह साधारण कारावास एवं 250-250 रूपये (4 काउंट) अर्थदण्ड और धारा 338 के अपराध के लिए 01 वर्ष साधारण कारावास एवं 500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन की ओर से प्रमोद कुमार पटेल, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा सशक्त संचालन किया गया।

पूर्व मंत्री के पुत्र की जमीन पर किया गया कब्जा

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर की कार्यवाही की मांग

डिंडौरी

जिले के जनपद शहपुरा अंतर्गत पूर्व मंत्री के पुत्र के स्वामित्व की भूमि को साजिश कर हड़पने व जान से मारने की धमकी दिये जाने पर एफआईआर दर्ज किये जाने के संबंध में पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया गया है। दिए गए आवेदन में दीपक उरैती पिता स्व. सुन्दरलाल उरैती 61 वर्ष निवासी ग्राम शहपुरा, हाल निवासी मकान नम्बर 08 गुड सेफई कालोनी कोलार रोड भोपाल ने लेख किया कि ग्राम शहपुरा माल पटवारी हल्का नंबर 44. रानिमं शहपुरा, तहसील शहपुरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 134/1 रकवा 1.505 हेक्टेयर भूमि एकमात्र मेरे स्वामित्व व अधिपत्य की भूमि है। इस भूमि की सीमा चिन्ह पूर्व से निर्धारित है। भूमि खसरा नम्बर 134/1 रकवा 1.505 हेक्टर भूमि का सीमा चिन्ह निर्धारित करवाने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया था। वर्ष 2017 में राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी मौके में उपस्थित होकर 6 अप्रैल 2017 को सीमांकन किया था जो मेरे कब्जे के अनुसार था। मैने भूमि पर फैसिंग पोल एवं तार लगाया था। ग्राम शहपुरा निवासी राजाराम पिता हजारी ने पटवारी हल्का नंबर 44. रानिम शहपुरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 137/1/1/7/1 रकवा 0.6930 हेक्टेयर भूमि का सीमांकन किये जाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था। राजस्व निरीक्षक बलीराम साहू जो राजाराम साहू के रिस्तेदार है जिन्होनें हल्का पटवारी के साथ सांठगांठ कर राजाराम साहू की भूमि खसरा नम्बर 137/1/1/7/1 भूमि का सीमांकन किया और आवेदक दीपक उरैती द्वारा राजस्व निरीक्षक बलीराम साहू को सीमांकन 06. 04.2017 की रिपोर्ट एवं रजिस्ट्री की चैहद्दी भी दिखाई गई, परन्तु बलीराम साहू राजस्व निरीक्षक ने उसे नहीं माना और दीपक उरैती की भूमि खसरा नम्बर 134/1 के अंश भाग पर राजाराम साहू की भूमि निकाल दी गई गई। मकान निर्माण में भी डाली बाधाः आवेदक दीपक उरैती ने बताया कि उक्त सीमांकन में आपत्ति की गई थी। मैने अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा, तहसीलदार शहपुरा को 26.11.2024 को लिखित आवेदन प्रस्तुत कर उक्त सीमांकन की पुष्टि न किये जाने की मांग की थी। आवेदक ने बताया कि मैने अपनी भूमि खसरा नम्बर 134/1 रकवा 1.505 हेक्टेयर भूमि के अंश भाग पर मकान निर्माण किये जाने के लिये नगर परिषद शहपुरा से अनुमति प्राप्त करने के पश्चात 20.05.2025 को मकान निर्माण के लिये गड्ढे की खुदाई करवाया था। जिस पर राजाराम साहू एवं उनके परिजनों ने एकराय होकर आवेदक की भूमि पर अवैध रूप से प्रवेश कर आवेदक द्वारा नींव के लिये खुदाई करवाई गई गड्ढों को पाटने लगे। आवेदक ने बताया कि राजाराम साहू एवं उनके परिजनों को नींव के गड्ढे को पाटने से मना किया तो राजाराम साहू एवं उनके परिजन आवेदक को गाली गलीच कर जान से मारने की धमकी देने लगे। जिस संबंध में 21.05.2025 को पुलिस थाना शहपुरा में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही न होने पर राजाराम साहू एवं उनके परिजनों का मनोबल बढ़ गया है, जिसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ रहा है। आवेदक दीपक उरैती ने आरोप लगाया कि राजाराम साहू एवं उनके परिजनों ने अपने रिश्तेदार राजस्व निरीक्षक बलीराम साहू से साठगांठ कर मेरी भूमि पर अवैध कब्जा कर फैसिग तार लगवा लिया है। आवेदक ने पुलिस अधीक्षक से न्याय दिलाने की मांग की है।

जिले में 1320 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना को प्रभावित किसानों और ग्रामीणों की स्वीकृति

यह परियोजना लेकर आ रही उम्मीद, रोजगार और प्रगति की रोशनी

अनूपपुर। जिले के ग्राम रक्शा एवं कोलमी में प्रस्तावित 1320 मेगावाट की न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड ताप विद्युत परियोजना को लेकर जिले में ऐतिहासिक मोड़ आया, जब त्रिस्तरीय संयुक्त बैठक में ग्रामीणों, प्रशासन और कंपनी प्रतिनिधियों के बीच समन्वय और सहमति का एक दुर्लभ उदाहरण देखने को मिला। बैठक का आयोजन ग्राम रक्शा एवं कोलमी की 476.788 हेक्टेयर निजी भूमि पर प्रस्तावित परियोजना की रूपरेखा के तहत किया गया। इसमें अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय, एसडीएम कमलेश पुरी, नायब तहसीलदार चक्रवर्ती, और न्यू जोन कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट सुधाकर पांडेय व सुशील कांत मिश्रा सहित सैकड़ों की संख्या में प्रभावित किसान, सरपंचगण और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विकास और विश्वास की नींव पर संवादअपर कलेक्टर पांडेय ने स्पष्ट कहा कि यह परियोजना अनूपपुर के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देगी, लेकिन इस विकास में ग्रामीणों के हक और हित सर्वोपरि रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति पारदर्शी है और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि हर पात्र हितग्राही को न्याय मिले। एसडीएम कमलेश पुरी ने बैठक को साझा संवाद का माध्यम बताते हुए सभी पक्षों से सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने ग्रामीणों की हर मांग को गंभीरता से सुना और त्वरित कार्यवाही का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों की मांगें और जनभागीदारीबैठक में ग्राम पंचायत रक्शा के सरपंच सहित अमोल सिंह, चक्रधर मिश्रा, आदित्य राठौर, प्रीतम सिंह, अशोक मिश्रा, देवघर मिश्रा, कैलाश साहू एवं अन्य प्रभावित किसानों ने कंपनी से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि भूमि देने वाले प्रत्येक परिवार को उनकी योग्यता के अनुसार निश्चित समय-सीमा में रोजगार मिले और मुआवजा राशि जमीन के अनुपात में पारदर्शी तरीके से दी जाए।कोलमी पंचायत के नरेंद्र राठौर बालेश्वर, रामस्वरूप उपाध्याय, लालमणि सहित गांव के प्रभावित किसानों सहित सरपंच कोलमी ने प्रस्ताव दिया कि मुआवजा राशि का वितरण ग्राम सभा के माध्यम से पारदर्शिता के साथ हो, जिससे ग्राम समुदाय की सहभागिता भी सुनिश्चित हो सके।ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में **CSR** फंड का प्राथमिक उपयोग रक्शा-कोलमी के समग्र विकास हेतु,4 लाख की एकमुश्त सहायता राशि पूर्व में दी गई राशि का समायोजन करते हुए एवं 1 लाख की किश्तों में भुगतान (50,000 × 2) का भुगतान इस प्रकार कम्पनी द्वारा कुल पांच लाख रुपए निर्धारित समय सीमा में कराया जाए परियोजना प्रारंभ होने पर स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार देना, 191 खातेदारों प्रभावित हैं उनमें सह खाते दार सहित 350 पात्र जनों को नौकरी की गारंटी शामिल रही। न्यू जोन कंपनी की प्रतिबद्धता सुशील कांत मिश्रा असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट मिश्रा ने आश्वस्त किया कि ग्रामीणों की हर मांग कंपनी की प्राथमिकता है। मुआवजा वितरण में कोई विलंब न हो इसके लिए उन्होंने आवश्यक दस्तावेज शीघ्र जमा करने की अपील की।वहीं सुधाकर पांडेय ने स्पष्ट कहा, "यह परियोजना सिर्फ पावर प्लांट नहीं, बल्कि अनूपपुर का भविष्य है। यह जिला प्रदेश ही नहीं, देश भर में पहचान बनाएगा।

'सीमा रेखा' दिखाकर अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ रहे जिम्मेदार अफसर

रेत माफिया लूटता रहा, वन विभाग नक्शा निहारता रहा!

हरिभूमि न्यूज, बदरा/जमुना।

जिले का कोतमा वन परिक्षेत्र एक गूंगा गवाह बनता जा रहा है। जहां जंगल लुट रहा है और जिम्मेदार अफसर 'सीमा रेखा' दिखाकर अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ रहे हैं। चोड़ी घाट और कुदरा इलाका, जहां से दिनदहाड़े ट्रैक्टरों में भर-भरकर रेत ले जाई जा रही है, अब किसी रहस्यमयी जगह की तरह नहीं, बल्कि सरकारी संरक्षण में खुले 'खदान बाजार' की शक्ल ले चुका है। सबसे चिंताजनक और शर्मनाक पहलू यह है कि इस अवैध खनन की जानकारी रेंजर हरीश तिवारी को चार से पांच महीने पहले से थी, फिर भी उन्होंने न कोई कार्रवाई की और न ही किसी संबंधित विभाग जैसे एसडीएम, खनिज अधिकारी या पुलिस को इसकी सूचना दी। यह न सिर्फ विभागीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि खुद अपराध में भागीदारी के बराबर है। कानून कहता है कि अगर कोई गतिविधि किसी अन्य विभाग की सीमा में भी हो, लेकिन उससे पर्यावरण, वन्य जीव या नदियों पर असर पड़ रहा हो तो वन विभाग का यह प्रथम दायित्व बनता है कि वह संबंधित अधिकारियों को सूचित करे। लेकिन यहां, जब खुद विभाग मानता है कि उन्हें खनन की जानकारी थी, फिर भी सूचना न देना यह दर्शाता है कि यह चुप्पी संयोग नहीं, सांठगांठ थी।

'दायित्व का त्याग' नहीं, बल्कि 'कर्तव्य का अपमान'

जब रेंजर से पूछा गया कि वह कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे, तो उनका जवाब था "जहां खनन हो रहा है, वह क्षेत्र हमारे फॉरेस्ट एरिया में नहीं आता।" लेकिन बड़ा सवाल यह है कि सीमांकन नहीं हुआ था, फिर किस अधिकार से यह निर्णय लिया गया कि वह विभागीय सीमा में नहीं आता? क्या रेंजर के पास कोई सटीक नक्शा था? क्या विभाग ने कभी वहां जाकर सीमांकन करवाया? नहीं। तो फिर यह कहना कि "वह हमारी ज़मीन नहीं है", दरअसल एक 'सुरक्षा कवच' है जिसे अफसर खुद को बचाने के लिए ओढ़ लेते हैं। DFO ने जब यह स्वीकार किया कि रेंजर को खनन की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना नहीं दी, तो यह बयान खुद DFO की भूमिका को भी कटघरे में खड़ा करता है। सवाल ये है कि क्या DFO को चार महीने से यह बात मालूम थी? अगर नहीं, तो यह उनकी विफलता है, और अगर थी तो जानकारी होते हुए भी कार्रवाई न करना 'दायित्व का त्याग' नहीं, बल्कि 'कर्तव्य का अपमान' है।

कट रहा नदी का किनारा

रेत खनन के कारण अब नदियों के किनारे कटने लगे हैं, जलस्तर गिर रहा है, खेतों की उर्वरकता घट रही है। जानवरों के प्राकृतिक रहवास उजड़ रहे हैं, और आसपास के गांवों की हरियाली अब धूल में बदल रही है। यह सब कोई प्राकृतिक घटना नहीं है यह एक 'प्रशासनिक अपराध' है, जिसमें जिम्मेदार अधिकारी या तो आंखें मूंदे बैठे हैं, या फिर बंद दरवाजों के पीछे किसी और भाषा में सुन-समझ रहे हैं। जिन जगहों पर खनन हो रहा है, वे जंगल से बिल्कुल सटे हुए हैं। वहां की मिट्टी, वनस्पति और जैव विविधता एक असली वन क्षेत्र जैसी ही है। ऐसे में अगर अधिकारी सिर्फ नक्शा दिखाकर अपने हाथ खींच लें, तो सवाल उठता है क्या विभाग अब जंगल की हिफाजत के लिए नहीं, सिर्फ फाइलों की हेराफेरी के लिए रह गया है? कोतमा रेंज की हालत यह है कि एक व्यक्ति के नाम पर आठ-आठ ट्रैक्टर चल रहे हैं, कोई रोक नहीं, कोई जब्ती नहीं। गांववालों की आंखों के सामने जंगल की छाती फाड़ी जा रही है, और रेंजर साहब नक्शा देखकर कहते हैं "यह मेरी ज़िम्मेदारी नहीं है।" क्या अब जंगल की सुरक्षा भी Google Maps की सीमाओं पर टिकी है? सवाल यह नहीं कि रेत कहां से निकाली जा रही है। सवाल यह है कि अगर अफसर को मालूम था कि अपराध हो रहा है, और उसने संबंधित विभागों को सूचना नहीं दी, तो क्या वह उस अपराध का हिस्सा नहीं है? विभाग का काम नक्शा दिखाना नहीं, जंगल बचाना है। और अगर वह भी नहीं कर पा रहे, तो यह सिर्फ लापरवाही नहीं, एक मौन समर्थन है जो अपराध से भी बड़ा अपराध है। जनता जानना चाहती है कि एक जिम्मेदार अधिकारी, जिसे अपने क्षेत्र में हर हलचल की खबर होनी चाहिए, जब महीने दर महीने तक रेत की लूट देखता रहा और किसी को सूचित नहीं किया तो वह किसकी सेवा कर रहा था? जंगल की या माफियाओं की? आज जब ये बात सामने आती है कि जंगल उजड़ते रहे और अफसर जान बूझकर चुप रहे, तो यह चुप्पी सिर्फ प्रशासनिक अपराध नहीं, एक नैतिक पतन है जिसकी गूंज आने वाली पीढ़ियों तक सुनाई देगी।

इनका कहना है

वह भूमि राजस्व की है तो राजस्व के अधिकारी कार्यवाही करेंगे और अगर वह भूमि फॉरेस्ट की है और सीमांकन नहीं हुआ है तो मैं उसे पर तत्काल कार्यवाही करवाता हूं

विपिन कुमार पटेल, डीएफओ
वन विभाग अनूपपुर

राजनगर स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था पर हाईकोर्ट और मंत्री ने लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज, राजनगर।

राजनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जो लंबे समय से संसाधनों की कमी और डॉक्टरों के अभाव के कारण चर्चा में बना हुआ था। अब जल्द ही पूर्ण रूप से संचालित हो सकेगा। शासन की ओर से उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत तो कर दिया गया था, लेकिन मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं अब तक धरातल पर नहीं उतर पाई थीं। बीते एक से दो वर्षों से राजनगर पीएचसी में डॉक्टर, ड्रेसर, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट सहित अन्य जरूरी मेडिकल स्टाफ की भारी कमी बनी हुई थी। जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई थीं। आपात स्थिति में न मलहम पट्टी की व्यवस्था थी, न ही किसी प्रकार की प्राथमिक जांच और इलाज संभव हो पा रहा था। इस समस्या को लेकर लगातार मीडिया रिपोर्टिंग और जनप्रतिनिधियों द्वारा शासन-प्रशासन को अवगत कराया गया। नगर परिषद राजनगर के अध्यक्ष यशवंत सिंह ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की, मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी इस पर गंभीरता दिखाते हुए। अनूपपुर कलेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर में डॉक्टर एवं मेडिकल स्टाफ की शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अब उम्मीद की जा रही है, कि जल्द ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर में डॉक्टर सहित आवश्यक स्टाफ की पदस्थापना की जाएगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

जबलपुर, शनिवार 14 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय पक्षी मोर मार कर मांस पकाते पाये जाने पर गये जेल

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर डा० सुश्री कल्पना तिवारी वन मंडलाधिकारी नरसिंहपुर एवं विकास शर्मा उप वन मंडलाधिकारी नरसिंहपुर के मार्गशन में वन परिक्षेत्र बरमान अंतर्गत झिराघाटी पर 02 घरों में सर्च वारंट के साथ दबीश दी गई। तलाशी में दोनों घरों से वन्यप्राणी मोर का मांस पाया गया। इंप्रेस पारधी एवं अन्य 03 लागों के विरूद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत कार्यवाही की गयी एवं वन अपराध क्रमांक 33596/13 दिनांक 11 जून 2025 दर्ज किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेड़े बरमान वन पाल गोपाल प्रसाद पटेल प्रभात कुमार पटेल दीपक शर्मा जितेन्द्र कुमार पटेल अंकित पवार महेश आचार्य विकास दुबे गीतेश पटेल नरेन्द्र ठाकुर भूपेन्द्र ठाकुर सचेन्द्र कुमार पटेल एव अन्य सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी ने किया निरीक्षण दल गठित

तेंदूखेड़ा। कृषि उपज मंडी तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में यदि कोई भी व्यापारी मंडी परिसर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में या अपने प्रतिष्ठान पर अवैध व्यापार करता हुआ पाया जायेगा तो उस पर दंडात्मक कार्यवाही की दिशा में मंडी प्रावधान के अनुसार भारसाधक अधिकारी महेंद्र पटेल के आदेश अनुसार निरीक्षण दल गठित किया गया है। जिसमें नायब तहसीलदार महेंद्र भट्टी थाना प्रभारी सौरभ पटेल मंडी प्रभारी सचिव शोभाराम ठाकुर सहायक उपनिरीक्षक विनोद अग्रवाल महेंद्र स्वामी रामकुमार उइके हरिमोहन कौरव आरक्षक अमन नामदेव सौरभ कौरव भूपेंद्र कोरी कैलाश सोनी को शामिल किया गया है।

विमान हादसे में दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एयर इंडिया के विमान क्रेश होने की खबर सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया। देश में शोक की लहर छा गई। दर्द और दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। यह अब तक का सबसे बड़ा विमान हादसा है इस मानवीय त्रासदी पर गायत्री योग समिति नरसिंहपुर द्वारा गहन दुख व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को शोक श्रृद्धांजलि दी गई। श्रृद्धांजलि सभा में योगाचार्य एन सी जैन जे के पटेल एम एल हरदेनिया गणेश कुमार चतुर्वेदी कविवर अशोक त्रिपाठी डा केदार गुप्ता गुरमुख माखीजा शरद साहू शिवप्रसाद साहू नीरज शर्मा सुधीर दुबे वीरेंद्र राव महेंद्र श्रीवास्तव गिरीश सक्सेना रामकुमार जाट एल डी दुबे अशोक नेमा आर के कहार धनराज साहू सुधीर जैन ने दिवंगत आत्माओं को श्रृद्धां सुमन अर्पित किये।

रिटायर्ड टीआई ने बदले की भावना से रची साजिश

पुलिस ने अंधे हत्याकांड का 24 घंटे में किया खुलासा

दोनों आरोपी गिरफ्तार, करेली पुलिस की कार्रवाई रिटायर्ड रक्षक ही बन गया भक्षक....

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र करेली अंतर्गत हुए अंधे हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए रिटायर्ड टीआई सहित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताया गया कि उक्त हत्या बदले की भावना के कारण कराई गई थी। घटना मे निगरानी बदमाश को 40 हजार रुपए मे सुपारी देकर हत्या करवाई गई। पुलिस घटना की सूचना मिलते ही कार्रवाई शुरू कर दी और दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वही उक्त मामले को लेकर चर्चा जोरों पर है।

मामला इस प्रकार

विगत दिवस थाना क्षेत्र करेली के सुभाष वार्ड निवासी अमोल सिंह मेहरा पिता नन्हे लाल मेहरा उम्र 65 वर्ष द्वारा थाने मे सूचना दी गई। सूचना मे बताया गया कि खिरिया ग्राम मे उनकी कृषि भूमि जिसमें छोटा सा मकान बना हुआ है जिसे कृषि कार्य मे उपयोग किया जाता है। जिसके सामने एक अज्ञात व्यक्ति पडा है एवं खून से लथपथ है। सूचना पर थाना करेली में अपराध क्रमांक 519/25 धारा 103 (1), 238 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने मामले के संबंध मे कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया। मृतक की पहचान नारायण काछी के रूप मे हुई। जिसकी हत्या आरोपी द्वारा राड मारकर की गई थी।

बदले की भावना से रची साजिश

उक्त मामले मे पुलिस द्वारा बताया गया कि रिटायर्ड टी आई द्वारा बदले के भावना के कारण नारायण काछी की हत्या कराई गई। पुलिस ने यह भी बताया कि मृतक के द्वारा वर्ष 2024 में उसके व परिवार के विरूद्ध महिला थाना नरसिंहपुर मे अपराध पंजीबद्ध कराया गया था। जिसका बदला लेने की सोच से रिटायर्ड टी आई द्वारा थाना स्टेशन गंज के निगरानी बदमाश को 40 हजार रूपए मे सुपारी देकर हत्या कराई गई। पुलिस को शुरूआती जांच पड़ताल में बसंत बंशकार की भूमिका संदिग्ध लगी और उसे हिरासत मे लेकर पूछताछ की गई जिसमे उसने घटना का पूरा रहस्य खोल दिया। ज्ञात हो कि रिटायर्ड टीआई शंकर लाल झारिया थाना स्टेशनगंज से सेवानिवृत्त हुए है एवं क्षेत्र के सभी नामी ग्रामी बदमाशो को जानते है उसमे से आरोपी भी एक है जिससे उक्त घटना कारित कराई गई।

पूर्व मे भी विवादित रहे है शंकर लाल

ज्ञात हो कि थाना स्टेशन गंज से सेवानिवृत्त हुई शंकरलाल झारिया पूर्व मे भी विवादित रहे है तथा अगस्त माह मे उनके घर पर हुई चोरी के मामले मे उनके द्वारा स्टेशन गंज थाना पुलिस की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए थे तथा पत्रकारवार्ता कर कार्रवाई को लेकर आरोप भी लगाया गया था। उक्त कार्रवाई में एसडीओपी मनोज गुप्ता के मार्गदर्शन में निरीक्षक प्रियंका केवट, उनि विजय धुर्वे, उनि रोहित पटेल, सउनि शिशुपाल चैधरी, प्र. आरक्षक अनुराग पटेल, राजेन्द्र पटेल, आरक्षक सुदीप ठाकुर, सुदीप बागरी, राजेश बागरी, अभिषेक पटेल एवं सायवर सेल से प्रधान आरक्षक देवेन्द्र सिंह, म.आर. कुमद पाठक, एवं आरक्षक हेमन्त बाडिवा की मुख्य भूमिका रही है।

भाविप द्वारा बाल संस्कार शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। आधुनिक युग और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव में हम अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहते हुए सुसंस्कारित शिक्षा एवं सेवाभाव को दृष्टिगत रखते हुए भारत विकास परिषद् विवेकानंद शाखा नरसिंहपुर द्वारा 5 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 49 बच्चों ने सहभागिता की। परिषद् के महिला सहभागिता प्रकल्प के अंतर्गत आयोजित उपरोक्त शिविर में बच्चों को प्रतिदिन योग क्रियाएं, संगीत (गायन, वादन, नृत्य), धर्म व संस्कृति से संबंधित एवम् सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, पोषण आहार, इंडोर गेम्स सहित व्यक्तित्व विकास से जुड़े अनेक विषयों से अवगत कराया गया। साथ ही शिविर के समापन अवसर पर परिषद् परिवार के मेधावी छात्रों दाक्षी नेमा, संस्कार सक्सेना, काव्या नेमा, ओम श्रीवास्तव कक्षा 8वीं, वैष्णवी पटेल, अवनि गुप्ता, प्रीत नेमा कक्षा 10वीं एवं सुमेधा वर्मा, अदिति नेमा, आदि नेमा, अंजलि नेमा, श्रेयांस सोनी कक्षा 12वीं को परिषद् परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर मेधावी छात्र अलंकरण से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में रीजनल महिला बाल विकास प्रमुख भारती कौरव, प्रांत अध्यक्ष संजय तिवारी, प्रांत उपाध्यक्ष व संस्कार प्रभारी आशुतोष वर्मा, विवेकानंद शाखा के संरक्षक बलवंत सिंह लांबा, डॉ हंसराज सिंह, योगाचार्य देवेन्द्र पटेल एवं देवेन्द्र पाठक का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन सचिव आशीष नेमा एवं बाल संस्कार प्रभारी रिद्धि श्रीवास्तव द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में एस के नेमा अध्यक्ष, डॉ ब्रजेश पटेल कोषाध्यक्ष, कमलकांत शर्मा, डॉ विवेक सक्सेना, ब्रजेश नेमा, विनीत अग्रवाल, उमंग नेमा मनोज राजपूत, एवं मातृशक्तियों में प्रीति तिवारी, सुनीता राजपूत, किरण नेमा, रागनी अग्रवाल, विभा सोनी, राजेश्वरी नेमा, मंजू पटेल, रजनी चैरसिया, श्रीमती सुनीता शर्मा, रश्मि नेमा, रीना नेमा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

एक दिवसीय जिला स्तरीय उल्लास नव भारत साक्षरता प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला स्तरीय उल्लास नव भारत साक्षरता के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण जनपद शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर में सम्पन्न हुआ। इसका उद्देश्य जिले में साक्षरता दर को बढ़ाना है। विकासखंड सह समन्वयकों द्वारा यह प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यस्क व्यक्ति जो औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाये और शिक्षा प्राप्त करने की उम्र पार कर चुके हैं, उनकी निरक्षरता उन्मूलन के लिए उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जिला परियोजना समन्वयक ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विकासखंड व संकुल स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के लिए कहा। जिला सह समन्वयक अखलेश राजोरिया ने साक्षरता का परिचय दिया और अपने सुझाव साझा किये। विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोटेगांव द्वारा किये गये नवाचार के बारे में अपने अनुभव साझा किये। एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण में समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, विकासखंड अकादमिक समन्वयक व सह समन्वयक साक्षरता मौजूद थे। उल्लास नव भारत साक्षरता के सफल क्रियान्वयन के लिए विकासखंड स्तर पर 16 जून तक, संकुल स्तरीय 18 जून तक और ग्राम व वार्ड स्तरीय 20 जून तक एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये जायेंगे।

मातृशक्ति द्वारा किया गया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ रक्त और रक्तदान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह एवं नमिता जनोरिया ने काया जनकल्याण समिति सक्रिय सदस्यों के सहयोग से डॉ राजश्री पटेल मैडम के मार्गदर्शन में मातृशक्तियों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जिला अस्पताल से वातानुकूलित सर्वसुविधायुक्त बीटीसी वैन सहित प्रशिक्षित स्टाफ डॉ अंजली दुबे, लैब टेक्नीशियन स्वप्निल चैरसिया, अटेंडेंट विष्णु वाल्मीक, वैन ड्राइवर शेख शाहरुख प्रदान किया गया जिनका इस शिविर में उल्लेखनीय योगदान रहा। जिन्होंने रक्तदान करने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य की पूर्णतया जांच करने के बाद ही इस प्रक्रिया को क्रियान्वित किया। इस रक्तदान शिविर में भय और भ्रम से मुक्त होकर सुश्री इंदु सिंह, नमिता जनोरिया, पूनम धुर्वे, उर्वशी पाठक, चंचल श्रीवास्तव, मीना शर्मा, आरती सिंह, मंजू नामदेव, अंकिता जुनेजा और डॉ राजश्री पटेल ने रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया। इस शिविर में काया परिवार की मातृशक्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान कर कई जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में मदद की। रक्तदान करने वाली समस्त मातृशक्तियों को काया की तरफ से सेव फल, जामुन, अनार जूस, नाश्ता, बिस्किट्स, गुड़-मूंगफली चिक्की, गुड़-चना, ग्लूकोज आदि उपलब्ध करवाया गया और रक्तदान के पश्चात अपनी सेहत का ध्यान रखने सम्बन्धी हिदायतें भी दी गई। उक्त अवसर पर डॉ राजश्री पटेल के द्वारा समिति के सदस्यों और मातृशक्तियों के रक्त की निशुल्क जांच करवाई गई और रक्तदान के महत्व और इसके लाभों के बारे में जागरूक किया गया।

पंचायतों में चलाया जा रहा सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायतों द्वारा अभियान के तौर पर वर्षा के पूर्व साफ- सफाई अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्य सीईओ जिला पंचायत नरसिंहपुर के निर्देशन में किया जा रहा है। जिले की लगभग 200 पंचायतों में साफ- सफाई अभियान चलाया जा चुका है, जबकि शेष पंचायतों में यह कार्य 10 दिवस में पूर्ण की जायेंगी। उल्लेखनीय है कि जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सामुदायिक स्थलों पर एकत्रित कचरे की साफ- सफाई की जा रही है। इसका उद्देश्य घरों से निकलने वाले पानी और बरसात के पानी का भराव को रोकने के लिए किया जा रहा है।

कलेक्टर को आईटीआई छात्रों ने दिखाए प्रोजेक्ट्स

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के समक्ष चैंबर में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोटेगांव- आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों एवं अधिकारियों ने संस्थान में संचालित ट्रेनिंग कम प्रोडक्शन सेंटर के अंतर्गत बनाये गये विभिन्न नवाचार प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। कलेक्टर ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए प्रशिक्षणार्थियों की जागरूकता को प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के साथ- साथ उत्पादन के समन्वय को युवाओं के कौशल विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है प्रशिक्षणार्थियों ने कलेक्टर के समक्ष एलईडी बल्ब निर्माण, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट सिस्टम जैसे प्रशिक्षण आधारित उत्पादन गतिविधियों के साथ-साथ स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक, स्मार्ट डस्टबिन, लॉट आधारित होम ऑटोमेशन सिस्टम, स्मार्ट होम गार्डनिंग सिस्टम आदि परियोजनायें प्रस्तुत की। संस्थान द्वारा चलाए जा रहे नवाचार व उत्पादन गतिविधियों से न केवल प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो रहा है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अग्रसर हो रहे हैं। इस दौरान प्राचार्य नारायण कोष्टा व अनुदेशक आशीष सोनी ने औद्योगिक भ्रमण, ऑन द जॉब ट्रेनिंग- ओजेटी आदि अपनाई जा रही श्रेष्ठ शिक्षण पद्धतियों की जानकारी दी। इससे प्रशिक्षणार्थियों को वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्राप्त हो रहे हैं।

आंतरिक सड़कों के बनने से मुख्य मार्गों पर होगा दबाव खत्म

तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए सड़कें बनाई गई, लेकिन अभी भी कई ऐसी आंतरिक सड़कें हैं जिनके न बनने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतें तो होती हैं साथ ही उनके समय, दूरी और धन की बर्बादी भी होती है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आंतरिक सड़कों के निर्माण से मुख्य मार्गों पर पड़ने वाला यातायात का दबाव भी कम रहता है, लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें सड़कों का निर्माण आज भी अपेक्षित है पर शासन के उपेक्षित नजरिए के कारण इन सड़कों का निर्माण नहीं हो पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग इन आंतरिक सड़कों के निर्माण की लगातार मांग करते आ रहे हैं।

तेंदूखेड़ा से काचरकोन मार्ग

तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 3 छोटी हासिद्धि से काचरकोना जाने वाला मार्ग काफी पुराना है। इस मार्ग के निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है। इस मार्ग के बनने से चीरा तिगड्डा तक का चक्कर लगाए बगैर ही लोग सीधे काचरकोना इमलिया और बिल्धारी तक आवागमन कर सकते हैं, इसमें समय कम लगने के साथ मुख्य मार्ग का भी दबाव कम होगा।

ईश्वरपुर से खमरिया सड़क

ग्राम ईश्वरपुर के टपरियों से सीधे खमरिया होकर लोग राष्ट्रीय राजमार्ग 45 फोरलेन तक पहुंच सकते हैं, अभी ईश्वरपुर डोभी के लोगों को तेंदूखेड़ा से चांवरपाठा होकर एनएच तक पहुंचना पड़ता है, यहां से बरकुंडा खेरी से भी गुटोरी तक पक्की सड़क भी बनाई जा रही है।

सुन्हेटी से काचरकोना तक जाने वाला मार्ग

ग्राम सुन्हेटी पावर हाऊस से सीधे काचरकोना तक जाने के लिए काफी प्राचीन सड़क मार्ग है। इस सड़क के बन जाने से सीधे काचरकोना तक पहुंचा जा सकता है। अभी फिर टेकापार लोगों को या तो तेंदूखेड़ा होकर या। होकर सुन्हेटी आना-जाना करते हैं। यह मार्ग समय दूरी और ईधन खर्च की दिशा में काफीकिफायती सिद्ध हो सकता है।

ईश्वरपुर से डोभी सड़क

प्रतिष्ठित ईश्वरपुर से सीधे गांव के भीतर से डोभी मुख्य सड़क मार्ग तक पहुंचा जा सकता है, यह मार्ग किसानों के लिए तो किफायती है ही वहीं आम तौर पर छोटे वाहन चालकों को भी सीधे ईश्वरपुर तक आने के लिए सुविधा जनक है बाजू से और भी ग्रामीण क्षेत्र जुड़े हुए हैं, उनके लिए भी यहाँ से आवागमन सुविधा जनक बन जाएगा।

भोई दादा से शासकीय नलकूप तक

गाडरवारा सड़क मार्ग पर पड़ने वाले बीकोर के लोगों को मुख्य सड़क पर आने के लिए सात किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। यदि शासकीय नलकूप से मात्र एक जाती है तो सात किलोमीटर की दूरी कम होने किलोमीटर भोई दादा तक पक्की सड़क बन के साथ सीधा आवागमन सुलभ हो सकता है। लंबे समय से यहां के लोगों के द्वारा यह विषय रखा और तत्कालीन मुख्यमंत्री महोदय को भी जानकारी दी गई थी उन्होंने भी अपनी स्वीकृति प्रदान की थी लेकिन आज तक कोई उचित निष्कर्ष नहीं निकल सका है।

खैरुआ से सीधे टपरियां से बन सकती है सड़क

हाल ही में ग्राम मदनपुर के खेरुआ गांव का सरकारी रास्ता खुल जाने के बाद से यहां से लोगों को निकलने की सुविधा मिलने लगी थी। वहीं सीधे टपरियों तक एक खेत सड़क बन जाने से सीधे मदनपुर खेरुआ का मुख्य सड़कतक पहुंचे बगैर ही आवागमन सुचारू हो सकता है और किस के ले जाने के लिए सुविधा भी मिलने लगेगी।

तेंदूखेड़ा से जैतपुर

नगर परिषद् तेंदूखेड़ा के वार्ड क्र.8 से सीधे जैतपुर जाने के लिए पुराना के लिये और सुन्हैटी तिगड्डा होकर जैतपुर के कच्चा मार्ग है, लेकिन एनएच 45 से जैतपुर लिए अपनी कृषि उपज लाने बन गया है, लेकिन इस लिये पक्का मार्ग तो मार्ग पर काफी चक्कर और समय लगने के कारण लोगों को परेशानी होती है। ग्राम पंचायत के माध्यम से तेंदूखेड़ा से जैतपुर जैतपुर ग्राम के लोगों ने अनेक बार अपनी तक पक्का मार्ग बनाए जाने की मांग रखी। परंतु उनकी मांग को आज तक पूर्ण नहीं किया गया है। अगर यह मार्ग बन जाता है तो स्कूली छात्र-छात्राओं महिलाओं वृद्धजनों को आवागमन में सुलभता होगी। नगरीय क्षेत्र में भी ऐसे बहुत से सड़क मार्ग है यदि उनका निर्माण होता है तो निश्चित तौर पर मुख्य सड़क मार्गों से दबाब खत्म हो सकता है। जैसे की टाल मुहल्ला से सीधे खेरापति मंदिर वार्ड क्रमांक 05 से सीधे हरसिद्धि मंदिर सड़क मार्ग जुड़ने से डोभी इमझिरा तरफ के लोग सीधे एन एच से जुड सकते हैं।